क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 203, शुक्रवार, 17 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## प्रधानमंत्री का भाषण केवल 'आंकड़ों की आतिशबाजी': शिवसेना

**नेशनल डेस्क।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण को शिवसेना ने महज ''आंकड़ों, घोषणाओं और योजनाओं की आतिशबाजी'' करार दिया और रुपये के कमजोर होने के लिये उनकी आलोचना की। शिवसेना ने आज दावा किया कि मोदी ने जहां अपनी सरकार के विकास प्रमाण पत्रों पर जोर दिया वहीं उन्होंने भारतीय रुपये की गिरावट को नजरअंदाज किया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अब तक के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लिखा कि प्रधानमंत्री का भाषण सिर्फ आंकड़ों, घोषणाओं और योजनाओं की आतिशबाजी था और इसी उद्देश्य के लिये लाल किले का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि कांग्रेस के शासन में विकास थम गया। हालांकि रुपया जरूर आज ऐतिहासिक निम्न स्तर को छू गया। जब एक डॉलर 70 रुपये के बराबर हो जाये तो यह अच्छी अर्थव्यवस्था और विकास का संकेत नहीं है। 'सामना' में लिखा कि प्रधानमंत्री ने एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी का हवाला देकर कहा कि पांच करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं। उन्हे इस संगठन का नाम बताना चाहिए और यह भी खुलासा करना चाहिए कि ये पांच करोड़ भारतीय कहां हैं। पार्टी ने कहा कि मोदी ने कल स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान ''भगवा'' पगड़ी पहनी। उन्होंने दावा किया कि यह महज वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले हिंदू मतदाताओं तक पहुंचने की मुहिम है। शिवसेना ने पूछा कि क्या भगवा पगड़ी पहनने से हिंदुत्व के सवाल का समाधान हो जायेगा? उसने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण, समान नागरिक संहिता, अनुच्छेद 370 और कश्मीरी पंडितों के भविष्य पर जानकारी मांगी।

संपादकीय में कहा गया कि मोदी ने लाल किले से अपने पहले के भाषणों में कहा था कि भारतीय सेना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के संकटग्रस्त गिलगिट-बाल्टीस्तान इलाकों में दखल दे सकती है। लेकिन सीमा पार हो रही गोलीबारी में भारतीय ओर से कई जवान शहीद हुए हैं।

शिवसेना ने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एक तरफ कर भुगतान करने के लिये नागरिकों की प्रशंसा करते हैं तो दूसरी ओर भगोड़े नीरव मोदी जैसे हीरा कारोबारी उन्हीं करदाताओं का पैसा लूटते हैं और देश से फरार हो जाते हैं।

## वाजपेयी सरकार में रेल मंत्री थीं ममता, बोली- अटल जी के लिए स्तंभ थी तृणमूल कांग्रेस

**कोलकाता।**

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंतित पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए आज राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुईं। बनर्जी ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा,''मेरे अटल जी के साथ बहुत सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं। मैं उनके लिए काफी सम्मान रखती हूं। यही कारण है कि मैंने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं और उन्हें देखने के लिए नई दिल्ली जा रही हूं।'' बनर्जी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राजग सरकार में एक कैबिनेट मंत्री थीं और वह अक्तूबर 1999 से मार्च 2001 तक रेल मंत्री और इसके बाद उन्होंने जनवरी से मई 2004 तक खान मंत्रालय का पदभार संभाला था। इस बीच वह मार्च 2001 से जनवरी 2004 तक बिना विभाग की मंत्री रही थीं। वाजपेयी के साथ बारीकी से काम करने की अपनी यादों का स्मरण करते हुए बनर्जी ने कहा,''अटल जी के काम करने की पद्धति मौजूदा भाजपा सरकार के कामकाज के तरीके से बिल्कुल अलग थी। इनमें कोई समानता नहीं है।'' उन्होंने कहा,''हमने बाहर से उन्हें समर्थन दिया था। हम (तृणमूल कांग्रेस) उनके लिए एक स्तंभ की तरह थे।'' वाजपेयी की जुलाई 2000 में उनकी (बनर्जी) मां गायत्री देवी से मिलने के लिए कालीघाट स्थित उनके घर की यात्रा को याद करते हुए बनर्जी ने कहा,''वह मेरे आवास पर आए थे और इसके लिए मैं उनकी आभारी हूं। दोनों परिवारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध थे।'' वाजपेयी ने गायत्री देवी के पैरों को छुआ था। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,''वह सीधे एम्स जाएगी जहां वाजपेयी का इलाज चल रहा है।'' वाजपेयी की हालत नाजुक बनी हुई है।

## पाक ने कारनाह सेक्टर में किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

**श्रीनगर ।** पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के कारनाह सेक्टर में बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। बता दें कि बुधवार को पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए कारनाह सेक्टर के सैयद पोरा में भारतीय अग्रिम चौकियों और गांवों को निशाना बनाते हुए स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी इसका करारा जवाब दिया। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों को घुसपैठ में मदद करने के उद्देश्य से पाकिस्तानी सेना गोलीबारी कर रही है। भारतीय सेना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से किसी प्रकार की घुसपैठ को रोकने के लिए हाई अलर्ट पर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी सीमा से इस समय दर्जनों प्रशिक्षित आतंकवादी इस तरफ घुसपैठ के लिए तैयार हैं। सेना ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा था कि सैनिकों ने कुपवाड़ा के तंगधार सेक्टर में संघर्ष विराम उल्लंघन के जवाब में गोलीबारी की थी जिसमें दो पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई थी।

## वॉटरफॉल पिकनिक स्पॉट में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित निकाला, 10 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

**शिवपुरी ।** मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के सुल्तानगढ़ वॉटर फॉल पिकनिक स्पॉट में फंसे सभी 45 लोगों को बचा लिया गया है। ये लोग स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पिकनिक मनाने के लिए आए थे। पांच लोगों को हैलिकॉप्टर की मदद एयरलिफ्ट किया गया। वहीं, 40 लोगों को रस्सी के सहारे बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब चार बजे 30 से 40 लोग वॉटर फॉल में नहा रहे थे। इसी दौरान बारिश की वजह से जलस्तर बढ़ गया। लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। इसी दौरान 11 लोग पानी में बह गए जबकि 34 लोग झरने के बीच में फंस गए। इन सभी को करीब 10 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बचा लिया गया। बताया जा रहा है कि एनडीआरएफ, आईटीबीपी, बीसएफ के जवान और स्थानीय लोगों ने वॉटर फॉल में फंसे लोगों को रस्सी के सहारे निकाला गया। इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और मंत्री यशोधरा राजे भी मौजूद रही। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद यशोधरा राजे सिंधिया ने बचाव कार्यमें जुटी सभी टीमों का उनके योगदान के लिए धन्यवाद किया है।

## राहुल का भाजपा पर निशाना, 'सोने की चिड़िया' भारत को पिंजरे में कैद करना चाहते हैं मोदी

**नई दिल्ली।**

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी 'सोने की चिड़िया' भारत को पिंजरे में कैद कर लूटना चाहती है। गांधी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव की ओर से आयोजित 'सांझी विरासत बचाओ' सम्मेलन में कहा कि भाजपा के लोग देश को सोने की चिड़िया मानते हैं लेकिन हम देश को गंगा मानते हैं। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के एक बयान का हवाला देते हुए कहा,''मीडिया वाले पूछते हैं कि विपक्ष के लोग भाजपा एवं आरएसएस के खिलाफ खड़े हैं, लेकिन सबकी विचारधाराएं अलग हैं। सोचने पर पता चला कि देश के दो अलग नजरिये हैं। एक नजरिया भाजपा अध्यक्ष ने पेश किया है कि भारत सोने की चिड़िया है। दूसरा यह है कि हम देश को गंगा या नदी की तरह मानते हैं जो सबकी है और सबको साथ लेकर चलती है।'' गांधी ने कहा,''उनके लिए यह देश सोने की चिड़िया है। लेकिन जब हम देश को देखते हैं तो उसे नदी की तरह देखते हैं। यह देश हमारे लिए गंगा की तरह है।'' उन्होंने कहा, ''अंग्रेज भी भारत को सोने की चिड़िया कहते थे। अमित शाह ने भी यही कहा है। वह इस चिड़िया को पिंजरे कैद कर रहे हैं। सोने की चिड़िया का फायदा उनके 10-15 उद्योगपति मित्रों को मिलता है। भाजपा का लक्ष्य सोने की चिड़िया को पिंजरे में बंद करके लूटना है।'' गांधी ने राफेल मामले को उठाते हुए कहा कि 526 करोड़ रुपए का विमान 1600 करोड़ रुपए में खरीदा है। जिस उद्योगपति को कॉन्ट्रैक्ट दिया गया उसपर 45 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। उन्होंने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री राफेल पर एक शब्द नहीं बोले। बहुत सारे मुद्दे पर बोले लेकिन चौकीदार राफेल पर कुछ नहीं बोले। उन्होंने कहा,''हम सब मिलकर भाजपा को राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ तथा देश से परे करेंगे। हम भाजपा मुक्त नहीं चाहते हम सिर्फ उनकी विचारधारा को हराना चाहते हैं।''

## हिमाचल के शिक्षा मंत्री की बड़ी चूक, घोषणा से पहले ही दे डाली वाजपेयी को श्रद्धांजलि

**शिमला ।**

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की हालत बेहद नाजुक है। पूरा देश जहां उनकी सलामती की दुआएं कर रहा है, वहीं हिमाचल के शिक्षा मंत्री सुरेश भारद्वाज से एक बड़ी चूक हो गई। उन्होंने घोषणा से पहले ही वाजपेयी को श्रद्धांजलि दे डाली। उन्होंने उनको मृत घोषित कर दिया। भारद्वाज ने शिमला में एक समारोह में अटल जी की यादों को सांझा करते हुए उनके साथ बिताए पलों को याद किया और उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का निधन हो चुका है। साथ ही उन्होंने जनता से उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखने के लिए भी कहा। हालांकि अभी अटल जी को लेकर आधिकारिक तौर पर निधन की पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में मंत्री का अटल के निधन और उनको सार्वजनिक समारोह में श्रद्धांजलि देना कहीं न कहीं एक पूर्व पीएम के लिए जरूरी प्रोटोकॉल का उलंघन के रूप में देखा जा रहा है और आम जनमानस में भ्रम फैलाने वाला जान पड़ता है।

## युवा पीडीपी नेता वहीद पर हुए हमले की उमर ने की निंदा

**श्रीनगर ।**

स्वतंत्रता दिवस से दो दिन पहले पीडीपी-पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) की युवा इकाई के अध्यक्ष वहीद पारा पर जम्मू एवं कश्मीर के बडगाम जिले में गोली मार कर हत्या के प्रयास का मामला अब राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। पीडीपी के कई नेताओं ने इस वारदात पर अपना पुरजोर विरोध दर्ज कराया था तो अब वहीं इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के नेता उमर अब्दुल्ला भी कूद पड़े हैं। उन्होंने टवीट कर इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा है, पीडीपी नेता वहीद-उर-रहमान पर हुए हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं। आगे अपने ट्वीट में उन्होंने कहा कि मतभेदों को दूर करने और लोगों की राय बदलने के लिए हिंसा का रास्ता ठीक नहीं है। ये है मामला स्वतंत्रता दिवस से दो दिन पहले सोमवार को वहीद पारा पर जम्मू एवं कश्मीर के बडगाम जिले में गोली मार कर हत्या का प्रयास किया गया था। वह इस हमले में बाल-बाल बच गए।

बताया जा रहा है कि पारा सोमवार की शाम एक शोक सभा से लौट रहे थे, जब चाडूरा इलाके में उनके बुलेट प्रूफ वाहन पर एक मोटरसाइकिल सवार बंदूकधारियों ने उन पर गोलीबारी की। गाड़ी बुलेट प्रूफ होने के कारण वह बाल-बाल बच गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

**चुनाव आयोग लोकसभा और चार राज्य विधानसभाओं का चुनाव एकसाथ दिसम्बर में कराने में सक्षम है।**

## लोकसभा, चार राज्यों के विधानसभा चुनाव एकसाथ दिसंबर में कराने में सक्षम : सीईसी

**नई दिल्ली।**

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ओ. पी. रावत ने आज कहा कि यदि लोकसभा चुनाव समय से पहले खिसकाया जाता है तो चुनाव आयोग लोकसभा और चार राज्य विधानसभाओं का चुनाव एकसाथ दिसम्बर में कराने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी 17.5 लाख में से 1.5 लाख वीवीपैट मशीनें आयोग को नवम्बर के अंत में मिलेंगी। उनकी पहले स्तर की जांच मुश्किल होगी और कुछ छोटी दिक्कतें रह जा सकती हैं। रावत की यह टिप्पणी इस सवाल पर आयी कि यदि लोकसभा चुनाव मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और राजस्थान विधानसभा चुनाव के साथ दिसम्बर में हो तो क्या चुनाव आयोग उसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''क्यों नहीं। कोई समस्या नहीं होगी।'' कुछ हलकों में ऐसी अटकलें हैं कि अप्रैल...मई 2019 में प्रस्तावित लोकसभा चुनाव को खिसका कर नवम्बर..दिसम्बर 2018 में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और राजस्थान विधानसभा चुनाव के साथ कराया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल 15 दिसम्बर को समाप्त हो रहा है। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमश पांच जनवरी 2019, सात जनवरी और 20 जनवरी 2019 को समाप्त हो रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या जरूरी ईवीएम और मतदान की पर्ची देने वाली मशीनें (वीवीपैट) तैयार रहेंगी, यदि लोकसभा चुनाव इन चार विधानसभा चुनाव के साथ दिसंबर में कराये जाएं, सीईसी ने कहा कि सभी जरूरी ईवीएम सितम्बर अंत तक तैयार हो जाएंगी जबकि वीवीपैट मशीन नवम्बर के अंत तक आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि 17.5 लाख वीवीपैट मशीनों में से 16 लाख नवम्बर से पहले तैयार हो जाएंगी। बाकी 1.5 लाख वीवीपैट मशीनों की आपूर्ति नवंबर के अंत तक होंगी।

## स्वतंत्रता दिवस पर लंदन ने भारत को दिया यह अनमोल तोहफा

**इंटरनैशनल डेस्क।** स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारत को ब्रिटेन के हाथों एक नायाब तोहफा मिला है। दरअसल, ब्रिटेन ने भारत से चोरी कर ले जाई गई पुरातात्विक महत्व की एक कांस्य प्रतिमा लौटा दी है। ये कांस्य प्रतिमा भगवान बुद्ध की है जो बिहार में नालंदा के एक संग्रहालय से करीब 60 साल पहले चोरी हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक बुद्ध प्रतिमा 12वीं सदी की है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लंदन में, लंदन मेट्रोपोलिटन पुलिस ने इसे भारत को लौटा दी। इस साल मार्च में एक व्यापार मेले में एसोसिएशन फोर रिसर्च इंटू क्राइम्स एगेंस्ट की लिंडा अल्बर्टसन और इंडिया प्राइड प्रोजेक्ट के विजय कुमार की इस मूर्ति पर नजर पड़ी और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। स्काटलैंड यार्ड ने यहां इंडिया हाऊस में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित कायक्र म में मूर्ति ब्रिटेन में भारत के राजदूत वाईके सिन्हा को सौंपी। सिन्हा ने 'अनमोल बुद्ध' की मूर्ति लौटाए जाने को एक अच्छा कदम बताया। ब्रिटेन के कला, धरोहर एवं पर्यटन मंत्री माइकल एलीस ने कला एवं पुरावशेष इकाई की सराहना की। चांदी की कलमकारी वाली कांस्य मूर्ति 1961 में नालंदा में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्थान के एक संग्रहालय से चुराई गई 14 मूर्तियों में एक है. लंदन में नीलामी के लिए के सामने लाए जाने से पहले यह बरसों तक विभिन्न हाथों से गुजरी। मेट्रोपोलिटन पुलिस के अनुसार डीलर और मालिक को बुद्ध की मूर्ति के बारे में बताया गया ।

### संक्षिप्त समाचार

## फारूक अब्दुल्ला बोले- हम आतंकवादी नहीं, लेकिन उस भारत को स्वीकार नहीं करेंगे जहां बराबरी नहीं

**श्रीनगर ।** नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला अपने बयान की वजह से फिर सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने कहा है कि वो उस भारत को स्वीकार नहीं करेंगे जहां इंसान को बराबरी हासिल नहीं। पूर्व सी.एम. ने कहा है कि हम आतंकवादी नहीं हैं। भारत से अलग नहीं होना चाहते हैं। भारत विरोधी भी नहीं हैं। मगर हम उस भारत को तस्लीम (स्वीकार) नहीं करेंगे जहां इंसान को बराबरी नहीं है। फिर चाहे वो हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख हो, इसाई हो। हमें वो भारत चाहिए जिसका ख्वाब गांधी ने देखा था। बता दें कि इससे पहले फारूख अब्दल्ला ने कहा था कि वो किसी भी कीमत पर अनुच्छेद 35 ए में बदलाव नहीं होने देंगे। 11 अगस्त, 2018 को दिए अपने बयान में उन्होंने आगे कहा कि वह कब्र में जाने तक अनुच्छेद 35 ए के बदलाव के खिलाफ लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इस संवैधानिक प्रावधान को हटाया गया तो हालात संभालने मुश्किल हो जाएंगे। मैं आखिरी सांस तक इसके खिलाफ लड़ता रहूंगा। अनुच्छेद 35-ए जम्मू-कश्मीर के लोगों को विशेष अधिकार देता है। इसके मुताबिक राज्य के बाहर का कोई व्यक्ति कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकता है। राज्य की कोई लडकी भी बाहर के लडके विवाह नहीं कर सकती है। अगर वो ऐसा करती है तो कश्मीर से उसके सारे अधिकार छिन जाएंगे। मतलब वो भी कश्मीरी नहीं रहेगी।

## मरने के लिए नाले में फेंक गई थी मां, महिला ने नवजात को दी नई जिंदगी

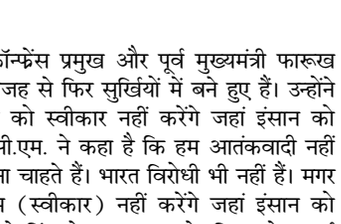

**नेशनल डेस्क।** जाको राखे साइयां, मार सके न कोय...कहते है जिसकी रक्षा भगवान कर रहा है। उसको मारने वाला कोई हो ही नहीं सकता। यह कहावत एक नवजात के लिए बिल्कुल सही बैठती है। बुधवार को जहां पूरा देश स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहा था वहीं तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में आखिरी सांस ले रहे बच्चे को एक महिला ने नई जिंदगी दी। जानकारी के अनुसार चेन्नई के वलसरक्कम में रहने वाली गीता को अपने घर के पास से बच्चे के रोने की आवाजें आ रही थी। जब उसने आसपास देखा तो पाया कि वह आवाजें नाली में ढके पत्थर के नीचे से आ रही थी। पहले तो गीता को लगा शायद कोई छोटा जानवर वहां फंस गया है। जब उन्होंने 1 फीट चौड़े नाले के पाइप के अंदर हाथ डालकर कुछ बाहर निकाला तो उनके पांव तले जमीन खिसक गई। नाले में से कोई जानवर नहीं बल्कि एक नवजात बच्चा था। उसके गले में नाड़ी बंधी थी। गीता ने तुरंत लोगों की मदद से बच्चे की नाल को अलग किया और उसे चेन्नई के एगमोर अस्पताल लेकर गई। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की हालत में सुधार हुआ है और अब वह बिल्कुल ठीक है। गीता ने बताया कि उन्होंने बच्चे का नाम सुतंतिरम (स्वतंत्रम) रखा है क्योंकि वह उन्हे स्वतंत्रता दिवस पर मिला है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि उसे जीने की आज़ादी मिल गई। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे देख सभी की आंखें नम हो गई।

## कश्मीर के नौगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ , 4 सैनिक घायल

**श्रीनगर ।** कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में आज चार सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों ने नियंत्रण रेखा के पास कुछ संदिग्ध गतिविधि महसूस की और तडक़े करीब तीन बजे संदिग्ध आतंकवादियों को चुनौती दी। उन्होंने बताया कि घुसपैठियों ने सैन्यकर्मियों के ठिकानों पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसपर सैनिकों ने प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में चार सैनिक घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल सैनिकों को वहां से निकाल कर कुपवाड़ा में एक चिकित्सा केंद्र भेजा गया है। रक्षा और सेना के अधिकारियों ने घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की और कहा कि वह मौके से जानकारी जुटा रहे हैं।

## भारत- चीन ने जताई नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता

**इंटरनैशनल डेस्क।** भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों की बुधवार को यहां एक बैठक हुई जिसमें दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने यूनीवार्ता से कहा, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों के बीच बैठक हुई। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ब्रिगेडियर वी के पुरोहित तथा कर्नल अनिल कुमार शर्मा ने किया तथा चीन के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई वरिष्ठ कर्नल वांग जून जियान तथा लेफ्टिनेंट कर्नल ली मिंग जू ने की । उन्होंने कहा, दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने बैठक के दौरान भारत के राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। कर्नल कालिया ने बताया कि औपचारिक संबोधन में दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने एक-दूसरे को बधाई एवं धन्यवाद के साथ सीमा पर संबंधों को बेहतर बनाने की इच्छा व्यक्त की। इसके बाद भोजन और भारतीय संस्कृति और पारंपरिक भव्यता का प्रदर्शित करने वाले एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के प्रतिनिधियों की बैठक अनुकूल और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में हुई। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों देशों के बीच हुए समझौतों के मुताबिक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने पर जोर दिया।

## संपादकीय

### लाल किले का संदेश

स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दिए गए संबोधन में यदि केंद्र सरकार की ओर से अब तक किए गए काम विस्तार से रेखांकित हुए तो इसीलिए, क्योंकि यह लाल किले के प्राचीर से उनके वर्तमान कार्यकाल का आखिरी भाषण था। ऐसे भाषण में आम चुनाव निगाह में होना स्वाभाविक है और शायद इसीलिए उन्होंने अपनी सरकार की अब तक की उपलब्धियों का जिक्र करने के साथ ही खुद को देश को आगे ले जाने के लिए व्यग्र बताया। हालांकि प्रधानमंत्री अपनी सरकार की सफलताओं का जिक्र पहले भी करते रहे हैं, लेकिन लाल किले से उन्हें नए सिरे से बताने का अपना महत्व है। उन्होंने लाल किले से अपने पहले संबोधन के वक्त यह कहा भी था कि वह अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने प्रस्तुत करते रहेंगे। उन्होंने एक बार फिर उसे पेश करने के साथ ही अपनी सरकार की भावी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। इनमें सबसे महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत है। प्रधानमंत्री ने 25 सितंबर से इस योजना को लागू करने की करने की घोषणा करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि प्रारंभ में तो यह योजना निम्न वर्ग के दस करोड़ परिवारों के लिए होगी, लेकिन बाद में निम्न-मध्यम, मध्यम और उच्च वर्ग भी इसके दायरे में आएंगे। निःसंदेह उन्होंने यह जानकारी देकर निर्धन वर्ग के बीच एक उम्मीद जगाई होगी कि इस योजना के अमल में कोई गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी और इसे जिस तकनीक के जरिये लागू किया जाना है उसका परीक्षण शुरू हो गया है। दस करोड़ परिवारों को अपने दायरे में लेने वाली दुनिया की यह सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना करीब-करीब पचास करोड़ लोगों को लाभान्वित करेगी।1 प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का अपने वादा यह कहते हुए दोहराया कि चार साल में दिल्ली के गलियारों में सत्ता के दलालों की कहीं कोई गूंज सुनाई नहीं देती। इसके साथ ही उन्होंने बार-बार यह दोहराया कि उनकी सरकार गरीबों के कल्याण और उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसी ही प्रतिबद्धता उन्होंने महिलाओं के उत्थान और उनकी भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यो को लेकर व्यक्त की। इसी क्रम में उन्होंने सेना में अस्थायी कमीशन के जरिये भर्ती महिला सैन्य अधिकारियों को स्थाई कमीशन देने की खुशखबरी दी। उन्होंने कृषि और किसानों के उत्थान को भी अपनी सरकार की जवाबदेही माना। इस सबसे यही संकेत मिला कि प्रधानमंत्री खास तौर पर गरीबों, महिलाओं और किसानों यानी एक बड़े वोट बैंक को यह भरोसा दिलाना चाह रहे हैं कि वे सब उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता में हैं। लाल किले से अपने तीसरे लंबे भाषण में प्रधानमंत्री ने बहुत से मसलों पर बात की, लेकिन यह उल्लेखनीय है कि उन्होंने कश्मीर समस्या की भी सुध ली और पूवरेत्तर की उपलब्धियां भी बयान कीं। इससे भी महत्वपूर्ण यह रहा कि उन्होंने कई ऐसे लक्ष्य भी गिनाए जिन्हें पूरा करने की जिम्मेदारी वस्तुतः अगली सरकार की होगी, जैसे मानव सहित गगनयान संबंधी घोषणा। साफ है कि एक तरह से प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से यह आग्रह भी कर गए कि उन्हें इस ऐतिहासिक स्थल पर तिरंगा फहराने का अवसर फिर से मिलना चाहिए।

# बंटवारे का दोषी कौन?

विश्लेषण/ अवधेश कुमार

> लैरी कॉलिन्स ने 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में लिखा है कि माउंटबेटन के सामने स्पष्ट था कि उन्हें भारत का बंटवारा करना है, और इसलिए गांधी जी से प्रमुख कांग्रेसी नेताओं में से कम से कम नेहरू को अलग करना आवश्यक है। माउंटबेटन ने वही किया। उस समय जे. बी. कृपलानी कांग्रेस अध्यक्ष थे। कृपलानी ने ''गांधी, हिज लाइफ एंड थॉट' में लिखा है कि नेहरू और पटेल ने वॉयसराय को अपनी ओर से बंटवारा स्वीकार करने का वचन दे दिया।

दलाई लामा दुनिया के तीन बौद्ध गुरुओं में एक हैं। उन्होंने कहा है कि गांधी जी ने भारत विभाजन को रोकने के लिए मोहम्मद अली जिन्ना के सामने प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव रखा किंतु नेहरू का निर्णय आत्मकेंद्रित था कि नहीं, मैं ही बनूंगा। यह भी कहा है कि नेहरू बुद्धिमान व्यक्तिथे लेकिन कभी-कभी गलतियां हो जाती हैं। विवाद खड़ा पर बौद्ध धर्मगुरु की गरिमा का ध्यान रखते हुए उन्होंने क्षमा मांग ली है किंतु इससे यह नहीं मानना चाहिए कि उन्होंने गलत बयान दिया है। बंटवारे के पूर्व से लेकर आज तक भारत में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है, जो गांधी जी को इसके लिए उत्तरदायी ठहराते हैं, जबकि गांधी जी विभाजन के विरु द्ध डटकर खड़े थे। विभाजन रोकने के उनके प्रयासों में से एक था जिन्ना को अखंड भारत का प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव। दस्तावेज ट्रांसफर ऑफ पॉवर तथा रिकॉर्डस ऑफ इंटरव्यू में स्पष्ट है कि गांधी जी ने लॉर्ड माउंटबेटन के सामने एक विस्तृत प्रस्ताव रखा। इसमें जिन्ना के सामने मंत्रिमंडल के निर्माण का विकल्प था। केंद्रीय विधानसभा में कांग्रेस का भारी बहुमत था। गांधी जी का प्रस्ताव था कि कांग्रेस तब तक जिन्ना का समर्थन करेगी जब तक वह समग्रता में भारत के हित में काम करेगी। जिन्ना बंटवारे का प्रस्ताव रख सकते हैं, किंतु इसके लिए उन्हें ठोस तर्क देना होगा। यह अखंड भारत को बचाने का उनका बड़ा प्रयास था। अंग्रेजों द्वारा मुस्लिम लीग एवं कांग्रेस की मिली-जुली सरकार बनाने के सारे प्रयास विफल हो चुके थे। इसलिए गांधी जी ने यह स्टैंड लिया। प्यारेलाल की पुस्तक ''महात्मा गांधी, द लास्ट फेज' में गांधी जी द्वारा वॉयसराय को लिखे उस पत्र का जिक्र है, जिसमें उन्होंने कहा कि नेहरू की इस प्रस्ताव पर कुछ आपत्ति है, पर वॉयसराय इसे व्यावहारिक मानते हैं, तो नेहरू की आपत्ति पर बाद में विचार-विमर्श करेंगे। गांधी जी ने माउंटबेटन को कहा कि आप सत्य को देखने का साहस कीजिए। हो सकता है कि आपके जाने के बाद यहां बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हो लेकिन आप परवाह न करें। माउंटबेटन ने अपने सलाहकारों को बताया कि उन्होंने जिन्ना को कहा कि मुझे आपको केंद्रीय सरकार के प्रधानमंत्री पद पर देखने की प्रबल इच्छा है, और इसका जिन्ना पर उनकी उम्मीद से ज्यादा प्रभाव पड़ा। उस समय वी. पी. मेनन सुधार आयुक्त थे। उन्होंने अपने नोट में लिखा है कि गांधी जी की राय कांग्रेस कार्यसमिति की राय से कई बार भिन्न हो चुकी थी। एलेन कॅम्पबेल जॉन्सन ने ''मिशन विथ माउंटबेटन' में लिखा है कि माउंटबेटन के सलाहकार नहीं चाहते थे कि गांधी जी का प्रस्ताव कांग्रेस के सामने विचार के लिए आए क्योंकि उन्हें भय था कि कहीं गांधी जी के प्रभाव में कांग्रेस इसे स्वीकार न कर ले। माउंटबेटन के पहले उनके सलाहकारों ने ही नेहरू को यह बता दिया। नेहरू ने गांधी जी से स्पष्ट कह दिया कि वे इस प्रस्ताव को समर्थन देने की स्थिति में नहीं हैं। प्रस्ताव अस्वीकृत होने के बाद गांधी जी ने सीधे जिन्ना को कहा कि आप भारत के प्रधानमंत्री बन जाओ। जिन्ना चुप थे। लेकिन नेहरू ने कहा कि देश इसे स्वीकार नहीं करेगा। भारी खून-खराबा होगा। डॉ. राममनोहर लोहिया कांग्रेस कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य थे। उन्होंने ''गिल्टीमैन ऑफ इंडियन पार्टीशन' में लिखा है कि गांधी जी की योजना स्वीकार कर जिन्ना को प्रधानमंत्री बनने दिया जाता तो जिन्ना और उनके सहयोगी पाकिस्तान के मामले में इतनी हठधर्मिता नहीं करते..योजना कारगर हो जाती तो भारत का बंटवारा नहीं होता। असफल होती तो भी कोई नुकसान न होता।यह प्रश्न निश्चय ही उठता है कि कांग्रेस के नेता बंटवारे के लिए क्यों तैयार हो गए? प्यारेलाल ने ''महात्मा गांधी द लास्ट फेज' में लिखा है कि भारत छोड़ो आंदोलन के बाद लंबे समय तक जेल में रहने के कारण कांग्रेसी नेताओं के दृष्टिकोण में मूलभूत परिवर्तन आ चुका था। बहुत कम नेता पुनः संघर्ष तथा कठोर जीवन स्वीकार करने के लिए तैयार थे। अंतरिम सरकार बनने के बाद 1946 में कुछ नेताओं को सत्ता का स्वाद भी मिल चुका था। माइकेल ब्रेशर ने नेहरू की जीवनी लिखी है। उनसे बातचीत में नेहरू ने 1956 में बताया था कि लंबे संघर्ष के कारण हम थक गए थे और हमारी उम्र भी बढ़ रही थी। हममें से शायद कोई जेल जाने को तैयार नहीं था। बंटवारे ने हमें इन सबसे बचने का एक रास्ता दिखाया और हम सब उस पर चल पड़े। लोहिया ने लिखा है, ''महान विपदा की इस घड़ी में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान संघर्ष करने वाला कांग्रेस का संगठन बुढ़ापे और थकान का शिकार हो गया था, बीमार पड़ गया था। इनके नेता गांधी जी इनको टाल मटोल नहीं करने दे रहे थे.. इनमें से कुछ को संभवतः कुर्सी और सत्ता और आराम की भूख थी..कुछ संभवतः अपनी मृत्यु तक कुछ ही वर्ष के लिए सही सरकार चलाकर इतिहास में अपना नाम अंकित कर जाना चाहते थे।'लैरी कॉलिन्स ने ''फ्रीडम एट मिडनाइट' में लिखा है कि माउंटबेटन के सामने स्पष्ट था कि उन्हें भारत का बंटवारा करना है, और इसलिए गांधी जी से प्रमुख कांग्रेसी नेताओं में से कम से कम नेहरू को अलग करना आवश्यक है। माउंटबेटन ने वही किया। उस समय जे. बी. कृपलानी कांग्रेस अध्यक्ष थे। कृपलानी ने ''गांधी, हिज लाइफ एंड थॉट' में लिखा है कि नेहरू और पटेल ने वॉयसराय को अपनी ओर से बंटवारा स्वीकार करने का वचन दे दिया। कांग्रेस कार्यसमिति में विचार-विमर्श भी नहीं किया गया था। हालांकि पटेल की भाषा एक साल पहले दूसरी थी। लॉर्ड वैभेल को जनवरी, 1946 में पटेल ने कहा था कि वे समझ नहीं पा रहे कि अंग्रेजों के रहते हिन्दू और मुसलमान में समझौता कैसे हो सकता है। अंग्रेजों को चाहिए कि भारत से चले जाएं। भारतवासियों को अपनी समस्या खुद सुलझाने दें। यह गांधी जी की सोच की ही अभिव्यक्ति थी। मेनन ने लिखा है कि कांग्रेस नेताओं के अंतरिम सरकार में शामिल होने के कुछ महीने भीतर ही सरदार पटेल ने उन्हें पाकिस्तान के पक्ष में अपनी स्वीकृति से अवगत कराया था। माउंटबेटन को बंटवारे के प्रस्ताव पर कांग्रेस का प्रतिरोध तक नहीं झेलना पड़ा। रिकॉर्ड ऑफ वॉयसराय स्टाफ मीटिंग के अनुसार पटेल ने वॉयसराय को कहा कि अखंड भारत के गांधी जी के हाल के वक्तव्य पर ध्यान न दिया जाए। अगर कांग्रेस के नेता गांधी जी का प्रस्ताव मानकर जिन्ना को प्रधानमंत्री मान लेते तो हिन्दुओं की ओर से इसका विरोध होता, दंगे और मारकाट भी होतीं किंतु जितने लोग बंटवारे के कारण हिंसा का शिकार हुए उससे ज्यादा हिंसा नहीं होती।

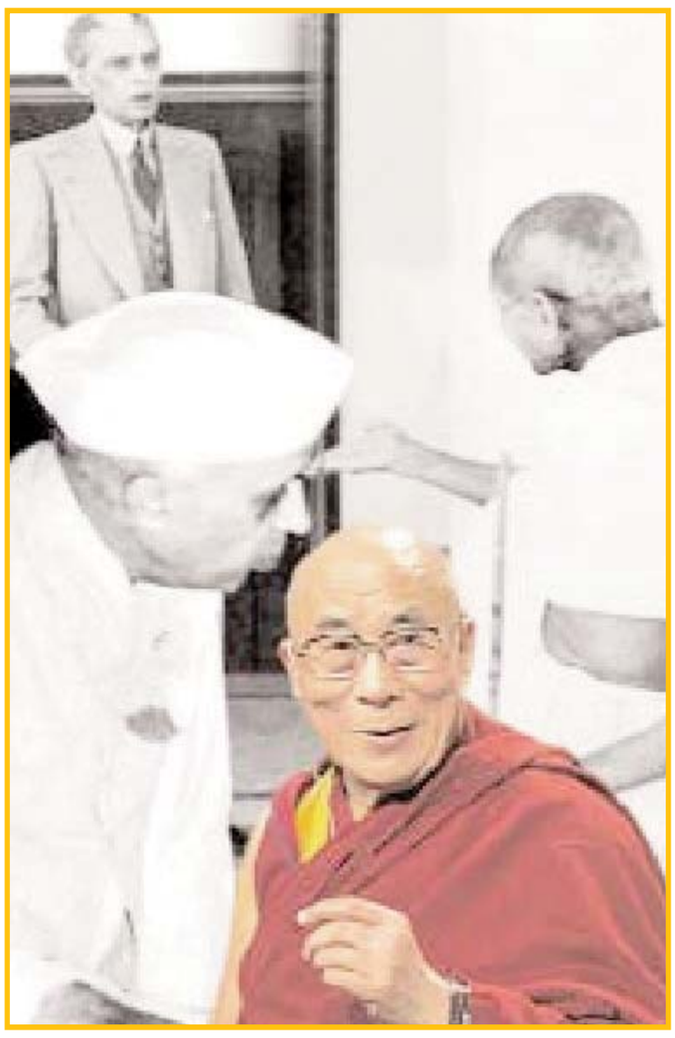

## आज का राशिफल

### आज का राशीफल

**मेष** व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**वृषभ** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

**कर्क** आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**सिंह** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**कन्या** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**तुला** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

**वृश्चिक** आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**धनु** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

**मकर** पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

**कुम्भ** शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

# राजनीतिक उत्तराधिकारी विवाद के बीच द्रमुक का वुजूद

लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान )

> *1969 में करुणानिधि को एमजी रामचंद्रन ने चुनौती दी और 1972 में डीएमके का विभाजन हो गया और एमजीआर ने ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का गठन किया। इसके बाद जब एमजीआर का निधन हुआ तो एआईएडीएमके में भी बँटवारा हो गया और एक धड़ा उनकी पत्नी जानकी रामचंद्रन के साथ हो लिया जबकि दूसरा धड़ा जे जयललिता के साथ आया। यह अलग बात है कि एक बड़ी हार के बाद दोनों धड़े फिर एक हो गए।*

अत्याधुनिक शिक्षा जगत में भले ही गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वाह होता दिखाई न दे, लेकिन यह तय है कि भारतीय राजनीति में आज भी गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वाह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रुप से बराबर हो रहा है। इसलिए यहां पर गुरु द्रौणाचार्य और एकलब्य से लेकर कृष्ण और अर्जुन जैसे उदाहरण भी देखने को मिल जाते हैं। अगर आप इससे सहमत नहीं हों तो दक्षिण भारतीय राजनीति के इतिहास से लेकर उत्तर भारतीय राजनीतिक परिदृष्य पर ही नजर डाल लें आपको अनेक उदाहरण पिछले कुछ सालों के राजनीतिक घटनाक्रम में ही देखने को मिल जाएंगे। बहरहाल याद दिलाने के लिए शिवसेना के बाला साहेब ठाकरे से लेकर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के उदाहरण देखे जा सकते हैं। इसके बाद जे जयलिलता और अब करुणानिधि पर केंद्रित राजनीतिक क्षितिज को भी इसके लिए खंगाला जा सकता है। दरअसल बताया जा रहा है कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके प्रमुख एम करुणानिधि के निधन के बाद पहले तो उनकी समाधिस्थल को लेकर विवाद हुआ और जब समाधि तय स्थान पर बना ली गई तो फिर पार्टी उत्तराधिकारी को लेकर सवाल-दर-सवाल खड़े होते चले गए। खबर यह है कि पिता करुणानिधि की समाधि पर उनके बड़े बेटे अलागिरी ने हुंकार भरते हुए ऐलान किया है कि यदि उन्हें पार्टी में वापस नहीं लिया गया तो यह मान लेना होगा कि पार्टी अपनी खुद की कब्र खोदेगी। इस तरह एक बेटे ने अपने ही पिता की तैयार फसल को नष्ट करने की धमकी दे दी है। अब चूंकि द्रमुक सुप्रीमो एम करुणानिधि ने निधन से पहले छोटे बेटे स्टालिन को उत्तराधिकारी घोषित करते हुए बड़े बेटे अलागिरी को बेदखल करने की बात तो नहीं कही, लेकिन दावे तो तब भी किए ही जा रहे हैं। इसलिए इस मामले को लेकिर राजनीतिक सवाल भी खड़े होना लाजमी है। अपना उत्तराधिकार मांग रहे अलागिरी ने मरीना बीच स्थित पिता की समाधि पर जहां उन्हें श्रद्धांजलि दी वहीं उन्होंने अपने ही छोटे भाई और पार्टी के कार्यकारी अध यक्ष स्टालिन को कोसने का काम भी कुछ इस तरह से किया मानों वो किसी दुश्मन की बात कर रहे हैं। अब चूंकि अलागिरी द्रमुक में हैं ही नहीं तो फिर वो राजनीतिक उत्तराधिकारी का हक किस आधार पर मांग रहे हैं कहना मुश्किल है, लेकिन यह तो तय है कि यह विवाद कहीं न कहीं विरोधियों को मजबूती प्रदान करेगा और वाकई द्रमुक को नुक्सान पहुंचाने वाला साबित होगा। ठीक वैसे ही जैसे कि पहले कभी शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के सबसे करीबी और दाहिना हाथ कहलाने वाले भतीजे राज ठाकरे से उनका राजनीतिक उत्तराधिकार छीना गया और बेटे उद्धव ठाकरे को पार्टी की कमान सौंप दी गई। इसके बाद राज ठाकरे ने अलग पार्टी बनाकर राजनीति शुरु की, लेकिन वो ज्यादा कामयाब नहीं हो सके। यहां शिवसेना को भी खासा नुक्सान हुआ और अब तो कहा जा रहा है कि वैसी धार शिवसेना में भी नहीं रही जैसी कि बाला साहेब और राज ठाकरे के दौर में हुआ करती थी। इसके बाद जयललिता और उनकी पार्टी का उदाहरण भी हमारे सम्मुख है। दरअसल तमिलनाडु में आजादी पूर्व से ही क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व दिखाई देता है। इतिहास बताता है कि जब उत्तर भारत में जातीय राजनीति ने पदार्पण भी नहीं किया था तब तमिलनाडु में दलित और पिछड़ी जातियों को लेकर राजनीतिक आंदोलन चरम पर था। यह वही दौर था जबकि वर्ष 1916 में टीएम नायर और राव बहादुर त्यागराज चेट्टी ने पहला गैर-ब्राह्मण घोषणापत्र जारी किया था। इसके बाद 1921 में जस्टिस पार्टी का उदय हुआ जिसने स्थानीय चुनाव जीतकर एक अलग इतिहास रचने जैसा काम किया। इसके बाद 1944 में ईवी रामास्वामी 'पेरियार' ने इसका नाम बदलकर 'द्रविड़ कड़गम' कर दिया। आज़ादी के बाद मद्रास रेसीडेंसी नाम से राज्य के पहले मुख्यमंत्री कांग्रेस केसी राजगोपालाचारी बनें। यह राज्य बाद में मद्रास बना और उसके बाद इसे तमिलनाडु नाम से हम जान रहे हैं। कुछ साल बाद ही पेरियार और सीएन अन्नादुरई के बीच मतभेद हुए और पार्टी दो फाड़ हो गई। अन्नादुरई ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी डीएमके का गठन किया, जिसने आंदोलन के जरिए क्षेत्र से कांग्रेस का सफाया कर दिया। इस प्रकार डीएमके के पहले मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई बने लेकिन 1967 में उनका निधन हो गया और एम करुणानिधि को मुख्यमंत्री बनाया गया। 1969 में करुणानिधि को एमजी रामचंद्रन ने चुनौती दी और 1972 में डीएमके का विभाजन हो गया और एमजीआर ने ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का गठन किया। इसके बाद जब एमजीआर का निधन हुआ तो एआईएडीएमके में भी बँटवारा हो गया और एक धड़ा उनकी पत्नी जानकी रामचंद्रन के साथ हो लिया जबकि दूसरा धड़ा जे जयललिता के साथ आया। यह अलग बात है कि एक बड़ी हार के बाद दोनों धड़े फिर एक हो गए। इस प्रकार क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व और फिर उत्तराधिकारी की हुंकार से ये क्षेत्र सदा गुंजायमान होते रहे हैं। ऐसे में अलागिरी ने जो उत्तराधिकारी होने का दावा किया है उससे कोई हैरान नहीं होने वाला है। यह जरुर है कि इस विरोध और कुछ अन्य नेताओं के बगावती तेवर से राष्ट्रीय दलों को फायदा होगा, जबकि द्रमुक जैसे क्षेत्रीय दल एक बार फिर हाशिये पर जाते चले जाएंगे।

## विचार मंथन

# धान की रोपाई और स्कूल जा रहे बच्चों की पढ़ाई

रुक्मिणी बनर्जी, निदेशक, प्रथम

अभी चारों तरफ धान की रोपाई चल रही है। खेतों में मेहनत करते हुए लोग दिखाई दे रहे हैं। अच्छी फसल के लिए रोपाई ठीक समय पर होना जरूरी है। आसमान में काले बादल छाए हुए हैं। आज जरूर बारिश होगी। किसान जानते हैं कि अगर शुरुआत में चूक हो गई, तो फिर बाद में फसल अच्छी नहीं होगी। हम नालंदा जिले में इस्लामपुर प्रखंड के एक मध्य विद्यालय में हैं। खिड़की से हरे-हरे खेत दिख रहे हैं। हम छठी कक्षा के बच्चों से बातचीत करने में लगे हैं। एक महीना ही हुआ है इन्हें मध्य विद्यालय में आए हुए। छोटे स्कूल से अब वे बड़े स्कूल में आए हैं। बड़ी कक्षा, ज्यादा छात्र और मोटी-मोटी किताबें।

हर कक्षा में 50 से ऊपर बच्चे हैं। पिछले दस वर्षों में देश भर के स्कूलों में बच्चों के एडमीशन पर बहुत काम हुआ है। लेकिन शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर प्रश्न चिह्न बना हुआ है। पिछले 12 साल से 'असर' की रिपोर्टें हमें बता रही हैं कि देश भर में बच्चों की पढ़ने-लिखने की मूलभूत क्षमताएं बिल्कुल संतोषजनक नहीं हैं। पढ़ाई-लिखाई को नए सिरे से मजबूत करने का बिहार सरकार का इरादा दिख रहा है। हाल ही में सरकार ने यह तय किया गया है कि प्राथमिक कक्षा के बच्चों (खासकर जो तीसरी से पांचवीं में हैं) के पढ़ने और गणित की बुनियादी कौशल पर विशेष जोर दिया जाएगा। कई साल पहले जहानाबाद और पूर्वी चंपारण में प्रशासन व प्रथम के संयुक्त प्रयास चलाए गए विशेष कार्यक्रम में बच्चों की प्रगति साफ नजर आई थी। सफलता के कई कारण थे- संकुल कोऑर्डिनेटरों का नेतृत्व, शिक्षकों की मेहनत व अधिकारियों का सकारात्मक सहयोग। इसका कुछ श्रेय सीखने-सिखाने की पद्धति को भी जाता है, जिसमें बच्चों के लिए उनके पढ़ने और गणित के वर्तमान स्तर के अनुसार समूह बनाया गया था, न कि उस कक्षा के अनुसार, जिसमें वे पढ़ रहे हैं।

लेकिन जो बच्चे पिछली कक्षाओं में बुनियादी दक्षता हासिल किए बिना अब छठी में आ गए हैं या सातवीं-आठवीं तक पहुंच गए हैं, उनका क्या होगा? उनकी दक्षता को कब और कैसे मजबूत किया जाएगा? पिछले डेढ़ महीने से हम लोग इस चुनौती का सामना करने का नया प्रयोग नालंदा जिला में कर रहे हैं। हर मध्य विद्यालय में तीन या चार गांवों से बच्चे आते हैं। उनके गांव और टोले के हिसाब से बच्चों के समूह बनाए गए हैं। हर समूह में चार-पांच बच्चे हैं, जो छठी से आठवीं के हो सकते हैं। वैसे भी ये आस-पास रहते हैं। साथ-साथ स्कूल आते हैं। एक साथ खेलते हैं। आजकल ये अपने ही मोहल्ले में रोजाना शाम को एक घंटा समूह में बैठकर गणित की गतिविधियां कर रहे हैं। उन्हें साधारण जोड़-घटाव, गुणा-भाग रोचक तरीके से हल करने का काम दिया गया है। बच्चे बड़े उत्साह के साथ समूह में चर्चा करके इसे हल कर रहे हैं। पिछले एक महीने में पूरे नालंदा में अभी तक लगभग 15,000 से ज्यादा ऐसे समूह सक्रिय हो गए हैं। इस कोशिश का उद्देश्य है- बच्चों में बुनियादी गणित की दक्षता को मजबूत करना।

लेकिन इसके अलावा एक और भी महत्वपूर्ण उद्देश्य है कि बच्चे एक-दूसरे की मदद और सहयोग से सीखें। अटक जाने पर आपस में पूछकर समाधान करें। सरकारी विद्यालयों के शिक्षक अक्सर कहते हैं कि बच्चों के मां-बाप जागरूक नहीं हैं, वे अपने बच्चों पर ध्यान नहीं देते हैं। नालंदा जिले में हो रहे इस प्रयास से हम यह भी जानना चाहते हैं कि क्या बच्चों को अपने आप से समूह में काम करता देखकर अभिभावक भी उसमें सहायता कर रहे हैं? बच्चों को सक्षम बनाने के लिए हमें नई सोच, नए प्रयोग, नए उत्साह और नई उम्मीद को बांधने की जरूरत है। बच्चों को उनकी कक्षाओं में फेल करने से नई ऊर्जा नहीं मिल सकती है। बच्चे आज जो कुछ भी कर सकते हैं, वहां से हमें पहला कदम बढ़ाना होगा। आगे के कदम बच्चे खुद बढ़ाने लगेंगे। इन बच्चों की पढ़ाई, धान की रोपाई की तरह ही है। अभी विद्यालयों में कक्षा छह में आए बच्चों पर गंभीरता से ध्यान देने, उनके साथ सही और प्रभावी तरीके से काम करने और उनकी देखरेख करने से यह नई फसल निश्चित रूप से ज्यादा और अच्छी पैदावार वाली साबित होगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

# इटली में एक साल के लिए आपातकाल की घोषणा

**जेनोआ।**

इटली के जेनोआ में एक पुल के ढहने से 39 लोगों की मौत के बाद प्रधानमंत्री ज्यूसपे कॉन्टे ने बुधवार को 12 महीने के लिए आपातकाल की घोषणा की है। इतना ही नहीं पीएम कॉन्टे ने जांच और बचाव कार्य के लिए 50 लाख यूरो यानी करीब 40 करोड़ रुपए भी आबंटित करने की घोषणा की है। ज्यूसपे कॉन्टे ने यह भी कहा कि उनका प्रशासन मंगलवार को गिरे मोरांदी पुल के रखरखाव के लिए जिम्मेदार निजी कंपनी ऑटोस्ट्रेड को मिली रियायत भी वापस लेगा। कॉन्टे ने कहा, इस तरह की त्रासदियां मॉडर्न सोसायटी में अस्वीकार्य हैं। बता दें कि पुल गिरने के एक दिन बाद यानी बुधवार शाम तक लोगों के दबे होने की आशंका की वजह से बचाव कार्य चलता रहा। मंगलवार को, इतालवी नागरिक संरक्षण एजेंसी के प्रमुख ऐंगेलो बोरेली ने बताया कि इस हादसे में 13 लोग घायल हुए हैं। इटली के गृह मंत्री मात्तेओ साल्विनी ने बताया कि मरने वालों में 8, 12 और 13 साल के बच्चे भी हैं। मंगलवार को उत्तरी बंदरगाह शहर में भारी बारिश के दौरान मोरांदी पुल का बड़ा हिस्सा ढह गया जिसकी वजह से करीब 35 कारें और कई ट्रक 45 मीटर यानी 150 फीट नीचे रेल की पटरियों पर गिर गए थे।

# ट्रंप ने खुफिया एजैंसी सीआइए के पूर्व प्रमुख ब्रेनन की सुरक्षा की नामंजूर

**लॉस एंजिलस।**

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुफिया एजेंसी सीआइए के पूर्व प्रमुख जॉन ब्रेनन की सुरक्षा को नामंजूर कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि पूर्व सरकारी अधिकारी ब्रेनन ने सरकार को आरोपित करने के लिए अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। कार्यकारी शाखा का प्रमुख और चीफ कमांडर होने के नाते मेरी यह संवैधानिक जिम्मेदारी है कि मैं अपने राष्ट्र की वर्गीकृत जानकारी की हिफाजत करूं। ट्रंप ने जॉन ब्रेनन पर अपने पद का राजनीतिकरण करने का आरोप भी लगाया। सैंडर्स ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, राष्ट्रपति सुरक्षा मंजूरी को रद करने की प्रक्रिया पर विचार कर रहे हैं क्योंकि वे राजनीति से प्रेरित थे और कुछ मामलों में उन्होंने धन लेकर भी काम किया और सुरक्षा मंजूरी दी थी। बता दें कि ब्रेनन ट्रंप के मुखर आलोचक रहे हैं। वे ट्विटर पर भी राष्ट्रपति का विरोध करते रहते हैं। खास तौर से

उनके पद और नीतियों को लेकर। इससे पहले खबर आई थी कि ट्रंप ब्रेनन सहित कुछ अन्य सरकारी अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी को रद करने की प्रक्रिया पर विचार कर रहे हैं क्योंकि वे अधिकारी कथित रूप से राजनीति से प्रेरित होकर काम कर रहे थे।

## पाक में स्वतंत्रता दिवस की खुशी में चलाई गोलियों व पटाखों से 3 की मौत, 35 घायल

**पेशावर।**

पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खुशी में चलाई गई गोलियों और पटाखों से कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई और बच्चों तथा महिलाओं समेत 35 से अधिक लोग जख्मी हो गए। पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात को बड़ी संख्या में कराची की सड़कों पर लोग निकल आए और जैसे ही रात के बारह बजे, उन्होंने 72वें स्वतंत्रता दिवस के उत्साह में हवा में गोलियां चलानी शुरू कर दीं और पटाखे छोड़ने लगे। द न्यूज के अनुसार उत्तर नजीमाबाद इलाके में समारोह के दौरान 22 वर्षीय सलमान शकूर को एक पटाखा लग गया। शकूर के अलावा 21 वर्षीय एक व्यक्ति के चेहरे पर भी पटाखा लगा। दोनों को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उपचार के दौरान शकूर की मौत हो गई. एक अन्य घटना में 26 वर्षीय सरमद शब्बीर की भी पटाखे से मौत हो गई।

## जर्मनी ने 46 अफगान नागरिक भेजे वापस

**बर्लिन।**

जर्मनी ने अपने देश में शरण लेने के इच्छुक अफगानियों के आवेदन को खारिज करते हुए 46 नागरिकों को वापस भेज दिया है। इन नागरिकों को लेकर म्यूनिख का विमान आज अफगान की राजधानी काबुल पहुंचा। इस कदम का ऐलान चांसलर मर्केल के कैबिनेट ने पहले ही कर दिया था। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता एलिओनोर पीटरमन ने बताया, 46 अफगान नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनमें से 15 ने गंभीर अपराध किए थे। न्यूज एजेंसी डीपीए ने कहा कि दिसंबर 2016 से अब तक जर्मन अधिकारियों ने 349 लोगों को अब तक वापस

अफगानिस्तान भेजा। पिछले साल काबुल स्थित जर्मन दूतावास पर बम हमले के बाद विमान सेवा बाधित हुई थी और तब आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को सीमित करने का निर्णय लिया गया था। बता दें कि जर्मनी में राष्ट्रीय 'डिपोर्टेशन केंद्र' बनेंगे और स्वेच्छा से वापस लौटने वालों को धनराशि भी दी जाएगी। इसपर अभी संसद की मंजूरी मिलनी बाकी है।

जर्मनी उन देशों पर भी दबाव बढ़ाना चाहता है जो अपने नागरिकों को लेने से मना कर रहे हैं या फिर नौकरशाही के झमेलों में फंसाकर प्रक्रिया को लंबा खींच रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### आजादी के जश्न में डूबे कनाडा और अमरीका, तिरंगे के रंग में जगमग हुई इमारते

**न्यूयॉर्क।** भारत के 72वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने के लिए प्रसिद्ध एम्पायर स्टेट बिल्डिंग और नियाग्रा जल प्रपात को तिरंगों से रोशन किया गया और अमेरिका में भारतीय प्रवासियों ने देश की आजादी का जश्न मनाया। इस मौके पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को प्रदर्शित किया गया। न्यूयॉर्क के मध्य में स्थित मैनहैटन की विश्व प्रसिद्ध गगनचुंबी इमारत को केसरिया, सफेद और हरे रंग से जगमग करने के लिए एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ट्विटर हैंडल से एक ट्विट में कहा गया, न्यूयॉर्क सिटी की ओर से भारत दिवस की शुभकामनाएं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए) के साथ मिलकर हम आज रात लाइटों को भारतीय ध्वज के रंगों में रंग कर भारत के स्वतंत्रता दिवस को सम्मान दे रहे हैं।' न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत संदीप चक्रवर्ती, एफआईए के अध्यक्ष स्रुजल पारिख और गायक मिकी सिंह के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दिन का जश्न मनाने के लिए विश्व के सबसे आकर्षक जलप्रपात नियाग्रा फॉल्स को भी केसरिया, सफेद और हरे रंग से जगमग किया गया। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने ध्वाजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया। अमेरिका में भारत के राजदूत नवतेज सरना ने झंडा फहराया जिसके बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने राष्ट्रगान गाया।सरना ने अतिथियों को संबोधित किया और परंपरा के तौर पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के संबोधन को पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्यों एवं स्थानीय पदाधिकारियों समेत करीब 200 लोग शामिल हुए। इनमें सांसद ग्रेस मेंग, विधायक डेविड वेप्रिन, राज मुखर्जी और सीनेटर विन गोपाल शामिल थे।संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन और भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी इस मौके पर कार्यक्रमों का आयोजन किया।

### पाक दूरसंचार अधिकारियों ने दी ट्विटर को प्रतिबंधित करने की चेतावनी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के दूरसंचार प्राधिकरण ने ट्विटर को चेताया है कि आपत्तिजनक कटेंट को रोकने के उसके निर्देश का अनुपालन नहीं करने के लिए देश में माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। मीडिया में आई एक खबर में यह दावा किया गया है। पूर्व में भी कई ऐसी घटनाएं हुईं हैं जब पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया गया हो। देश में फेसबुक को एक बार 2008 में और फिर 2010 में प्रतिबंधित कर दिया गया था। पाकिस्तान दूरसंचार अधिकरण (पीटीए) ने सितंबर 2012 में दो साल के लिए देश भर में यूट्यूब का इस्तेमाल प्रतिबंधित कर दिया था। डॉन न्यूज ने आज खबर दी कि पीटीए ने कैबिनेट सचिवालय पर सीनेट की स्थायी समिति को कल सूचित किया था कि एक ओर फेसबुक, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेलाफॉर्म आपत्तिजनक कटेंट को रोकने के सरकार के आग्रह का अनुपालन कर रहे हैं वहीं ट्विटर इसे नहीं मान रहा।

### न्यूजीलैंड सरकार ने विदेशियों के घर खरीदने पर लगाई रोक

**वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड सरकार ने दूसरे देशों के सटोरियों पर नकेल कसने के लिए बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। सरकार विदेशियों के घर खरीदने पर रोक लगाने जा रही है। इस कदम के जरिए सरकार दूसरे देशों के सटोरियों पर नकेल कसने का अपना वादा पूरा कर रही है, जिनपर मकानों के दाम बढ़ाने का आरोप लगता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूजीलैंड के वित्त मंत्री डेविड पार्कर ने कहा कि सरकार का मानना है कि न्यूजीलैंड वासियों को विदेशी खरीदारों से मात न मिले। बता दें कि पीएम जेसिंडा आर्डर्न ने बीते साल अपने चुनावी कैंपेन में विदेशी खरीदारों के खिलाफ प्रचार किया था। उनका कहना था कि विदेशी खरीदारों ने मकानों के दाम बढ़ा दिए हैं और किवियों के लिए घर खरीदना असंभव हो रहा है।बीते एक दशक में मकानों के दाम में 60 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। नए कानून में आवासीय भूमि को संवेदनशील करार दिया गया है, जिसका मतलब है कि गैर-नागरिक ओवरसीज इनवेस्टमेंट ऑफिस की मंजूरी मिले बिना संपत्ति नहीं खरीद पाएंगे। बता दें कि सरकार के इस कदम का कई निवेशकों ने विरोध भी किया है और व्यापक निवेश पर रोक लगाने के साथ ही विदेशी बाजारों में न्यू जीलैंड की छवि खराब करने तक की चेतावनी दी है।

## पाक में अगले राष्ट्रपति का चुनाव 4 सितंबर को

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि देश के अगले राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए चार सितंबर को चुनाव होगा। पाकिस्तान में राष्ट्रपति का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से सांसदों और चार प्रांतीय असेम्बलियों के सदस्यों द्वारा किया जाता है। चुनाव की समय-सारिणी जारी करते हुए पाकिस्तान चुनाव आयोग ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव चार सितंबर को आयोजित किया जाएगा।'' राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन 27 अगस्त तक भरे जाएंगे और उम्मीदवारों की अंतिम सूची 30 अगस्त को जारी की जाएगी। यह चुनाव संघीय संसद और प्रांतीय असेम्बलियों में होगा। मौजूदा राष्ट्रपति ममनून हुसैन सितंबर, 2013 में निर्वाचित हुए थे और उनका पांच साल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। आजादी के बाद हुए विभाजन में हुसैन के माता-पिता आगरा से पाकिस्तान आकर कराची में बस गए थे।

## अमरीका में प्रवेश करने और शरण मांगने वाले भारतीयों की बढ़ी संख्या

**वाशिंगटन।**

मैक्सिको से अमेरिका में प्रवेश करने और शरण मांगने वाले भारतीयों की संख्या में हाल मे वर्षों में बढ़ोतरी हुयी है।यह दावा एक मीडिया रिपोर्ट में किया गया है। द लॉस एंजिल्स टाइम्स ने खबर दी है कि भारतीय नागरिकों सहित हैती, अफ्रीका और एशिया के हजारों प्रवासी लातिन अमेरिका पहुंच रहे हैं। आव्रजन अधिकारियों और अटॉर्नियों के मुताबिक, हाल के वर्षों में मैक्सिको के रास्ते अमेरिका जाने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में बढ़ोतरी हुयी है। हालांकि इसमें बताया गया है कि हिरासत में लिये गये कुल लोगों में इन लोगों का प्रतिशत बहुत कम है। फेडरल ब्यूरो ऑफ प्रिजन्स के मुताबिक, कैलिफोर्निया में विक्टरविले संघीय जेल में अगस्त की शुरूआत में बंद 680 प्रवासियों में से करीब 380 भारतीय नागरिक थे।रिपोर्ट में बताया गया है कि इन्हें आपराधिक बंदियों के बजाय नागरिक बंदियों की श्रेणी में रखा गया है। ऐसा उनके आव्रजन मामलों की सुनवाई लंबित रहने के कारण किया गया है। एक प्रवक्ता के हवाले से रिपोर्ट

में बताया गया है कि इसके अलावा आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के इम्पीरियल वैली हिरासत केन्द्र में रखे गये करीब 40 प्रतिशत लोग भारत से हैं। आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन के एदेलान्तो केंद्र में रह रहे बंदियों में से 20 फीसदी लोग भारतीय हैं।

## एशिया पैसिफिक ग्रुप की मांग,आतंकवाद का वित्तपोषण रोकने के लिये उचित कानून लाए पाक

**पेशावर।**

वैश्विक वित्तीय निगरानी संस्था एफएटीएफ के लिये काम करने वाले और पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं पर नजर रखने वाले एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान से अनुरोध किया है कि वह आतंकवाद का वित्तपोषण बंद करे तथा धनशोधन के अपराधों को अंजाम देने वालों का प्रत्यर्पण करे। एक मीडिया रिपोर्ट में आज यह जानकारी दी गयी। एशिया पैसिफिक ग्रुप (एपीजी) ऑन मनी लॉन्ड्रिंग फिलहाल पाकिस्तान में है और वह पेरिस-स्थित फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) को एक रिपोर्ट पेश करेगी। एफएटीएफ ने जून में पाकिस्तान को अपनी विशिष्ट 'ग्रे सूची' में शामिल किया था। एपीजी की यह म्युचुअल मूल्यांकन रिपोर्ट अगले साल सितंबर के बाद पाकिस्तान को इस सूची में बनाये रखने या हटाने में अहम भूमिका निभा सकती है। अगले साल सितंबर के अंत तक पाकिस्तान को निश्चित रूप से इसका अनुपालन करना होगा और ग्रे सूची या काली सूची में खुद को शामिल होने से बचाने के लिये उसे एफएटीएफ को जून में आतंकवाद के वित्तपोषण एवं धनशोधन से मुकाबले को लेकर किये गये उन 10 सूत्री कार्ययोजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दर्शानी होगी। ग्रे सूची में किसी देश को शामिल किये जाने से उसकी अर्थव्यवस्था को तो नुकसान पहुंचता ही है साथ ही उसकी अंतरराष्ट्रीय साख पर भी असर पड़ता है। 'एक्प्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार प्रतिनिधिमंडल ने कल पाकिस्तान से अनुरोध किया कि वह उचित कानून लागू करे और स्थानीय अधिकारियों को यह अधिकार दे कि वे अवैध संपत्ति को जब्त कर सकें तथा आतंकवाद के वित्तपोषण एवं धनशोधन में संलिप्त लोगों के प्रत्यर्पण के लिए दूसरे देशों के अनुरोधों पर कार्रवाई कर सकें। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के फाइनेंशियल मॉनिटरिंग यूनिट (एफएमयू), सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ऑफ पाकिस्तान (एसईसीपी), नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी (नाक्टा), फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) के अधिकारियों और विदेश एवं गृह मामलों के मंत्रालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उसने देश से अनुरोध किया कि वह आतंकवाद का वित्तपोषण बंद करे एवं धन शोधन करने वाले अपराधियों का प्रत्यर्पण सुनिश्चित करे।

## बाहरी देशों को कर्ज देने की नीति चीन पर पड़ी भारी, कई बड़े प्रोजैक्ट रुके

**बीजिंग।** दक्षिण चीन सागर से लेकर वन बेल्ट, वन रोड के जरिए चीन दुनिया के विभिन्न देशों पर अपना प्रभाव स्थापित करने में जुटा है। भारत के पड़ोसी देशों खासतौर से पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव को कर्ज के रूप में मदद देकर उन्हें अपने पाले में लेने की कोशिश कर रहा है। लेकिन साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक चीन के बड़े शहरों में आर्थिक संकट की वजह से विकास कार्यों के कई प्रोजेक्ट्स रुके पड़े हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने हुनान प्रांत के चांगदी शहर का जिक्र करते हुए लिखा है कि वहां पर विकास कार्य पूरी तरह ठप्प है। चांगदी में रहने वाला एक शख्स कहता है कि पिछले कुछ वर्षों में चांगदी के चारों तरफ विकास की गंगा तेजी से बह रही थी। लेकिन अब ये देखकर हैरानी होती है कि विकास कार्यों से जुड़े प्रोजेक्ट्स की कोई खोज खबर लेने वाला नहीं है। बताया जा रहा है कि आधारभूत संरचना के विकास के लिए चीनी बैंकों से आसानी से कर्ज मिल जाया करते थे लेकिन अब सरकारी और गैरसरकारी क्षेत्रों में काम की रफ्तार पर ब्रेक लगा है। जानकारों का कहना है कि सरकार की तरफ से सड़कों, पुलों और स्पोर्ट्स सुविधाओं पर भारी भरकम खर्च किया गया लेकिन उसका असर अब दिखाई दे रहा है। बैंक फॉर इंटरनेशल सेटलमेंट्स के मुताबिक चीन के कुल जीडीपी का 256 फीसदी कर्ज के रूप में देश के अंदर और बाहर बांटा गया है। इतने बड़े कर्ज की वजह से अब चीन को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

## शोधकर्ताओं को मिली बड़ी सफलता-पानी से हानिकारक रंग सोखने वाला नया स्पंज तैयार

**वाशिंगटन।**

उद्योगों से निकलने वाले रसायनों और रंगों के कारण प्राकृतिक स्रोतों का अधिकतर जल प्रदूषित होता जा रहा है। बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण विश्व में स्वच्छ जल का संकट खड़ा हो गया। ऐसे में वैज्ञानिकों ने ऐसे स्पंज का निर्माण किया है कि जो चंद सेकंड में रंगीन पानी से हानिकारक रंग को सोख कर उसे साफ कर देगा। इसे लकड़ी की लुगदी और धातु के टुकड़ों से तैयार किया गया है। वैश्विक स्तर पर वस्त्र, खिलौने, कॉस्मैटिक आदि उद्योगों के लिए हर साल करीब 70 करोड़ किलोग्राम रंगों का प्रयोग किया हो रहा है। निर्माण के दौरान करीब रंगों का दसवां हिस्सा व्यर्थ बह जाता है। ये रंग ऐसे हैं, जिन्हें जल शुद्धीकरण की विधियों से भी दूर नहीं किया जा सकता है। ऐसे में पानी के साथ घुलकर ये रंग वातारण का हिस्सा बन जाते हैं और नदी, तालाबों, झीलों में पहुंचकर जल स्रोतों को दूषित कर रहे हैं। जल में रंग की थोड़ी सी मात्रा सूर्य के प्रकाश को रोकती है, इससे पौधों में प्रकाश संश्लेषण की क्रिया और जलतंत्र प्रभावित हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के असिस्टेंट प्रोफेसर एंथनी डिकायरा का कहना है कि रंगों की थोड़ी सी मात्रा बड़ी मात्रा में जल को दूषित कर सकती है इसलिए ऐसी युक्ति की आवश्यकता थी, जो आसानी से जल में से रंगों को दूर कर सके। इसी को ध्यान में रखते हुए इस स्पंज को तैयार किया गया है। शोधकर्ताओं ने पौधों में पाए जाने वाले सेल्युलोज और पैलेडियम धातु को मिश्रित किया। इसके बाद विलयन को गर्म करने के बाद ब्लेंडर की सहायता से इसे मिलाया। फिर शुद्धीकरण और धातु को सुखाने के बाद यह महीन छेद वाली स्पंज की आकृति में परिवर्तित हो गई। यह स्पंज 99 प्रतिशत वायु से भरी है और जल को आसानी से आर-पार जाने देती है। इसमें से धातु के कण जल में से रंग निकालने का कार्य करते हैं। शोधकर्ता ने इस स्पंज को लैब में लाल और नीले रंग के पानी को साफ करने में प्रयोग किया। यहीं रंग वस्त्र उद्योग में आमतौर पर प्रयोग किए जाते हैं।

इस प्रयोग में शोधकर्ताओं को सफलता मिली। इसके बाद एक जार में रंगीन पानी को लेकर स्पंज का प्रयोग किया। इससे भी साफ पानी प्राप्त हुआ। एंथनी डिकायरा का कहना है कि जब जल में रंगों की मात्रा कम हो तभी इस तरीके का प्रयोग करने पानी को आसानी से शुद्ध किया जा सकता है।

सूरत। महानगर पालिका और पुलिस विभाग सूरत के संयुक्त रूप से 15 अगस्त को तिरंगा यात्रा याद करों कुरबानी नाम से कार्क्रम के अंतर्गत पुलिस कोम्युनिटी होल में मशाल जला कर शहीदों की कुरबानी को याद करते मा. मेयर श्री जगदीश पटेल, डे. मेयर श्री निरव शाह, सासंद श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश, धारासभ्य श्री पूर्णेश भाई मोदी, कलेक्ट्र श्री डॉ. धवल पटेल, पुलिस कमिश्नर श्री सतीश शर्मा तथा अन्य महानुभवों दृश्यमान है।

# निरंकारी भक्तों ने मनाया मुक्ति पर्व, ब्रह्मज्ञान से सम्भव है जीते जी मुक्ति

**सूरत।** निरंकारी मिशन के विश्व व्यापी मुक्ति पर्व का असर यहां सूरत में भी छाया रहा, इस मौके पर अलथाण कॉम्युनिटी होल भटार में आयोजित सत्संग में निरंकारी भक्तों ने उन ब्रह्मलीन संतो को नमन किया, जिन्होंने लाखों भटकी रूहों को मुक्ति प्रदान की। इस अवसर पर दक्षणि गुजरात के प्रभारी श्री ओंकार सिंह जी ने संगत को संबोधित करते हुए कहाकि बार- बार जन्म लेना और मरना, यह 84 लाख योनियों में एक चक्रव्यूह है, इस आवागमन के चक्कर से हर कोई मुक्ति होना चाहता है। 84 लाख योनियों में एक मनुष्य जन्म ही वह अवसर है जब हम सदुरु की कृपा से ब्रह्मतत्व से जुड़कर जीते जी मुक्ति को पा सकते है। उन्हेंने कहाकि निरंकारी मिशन का लक्ष्य हर मानव को ब्रह्मज्ञान प्रदान करना है। संत निरंकारी मिशन के सूत्रधार बाबा बूटासिंह जी, युगपुरुष बाबा अवतार सिंह जी, जगतमाता बुद्धवंती जी, बाबा गुरबचन सिंह जी, राजमाता कुलवन्त जी, बाबा हरदेव सिंह जी तथा माता सविन्दर हरदेव जी जहा स्वयं मुक्ति पद को पाया, वही लाखो भटकी रूहों को भी ब्रह्मज्ञान प्रदान कर, अंधविश्वास, छुआ-छुट और अज्ञानता के बन्धनों से मुक्त किया। वह मिशन के सन्देश को जन जन तक पहुँचाने के लिये जीवन पर्यन्त समर्पित रहे। आगे उन्होंने कहाकि जिन ब्रह्मलीन संतो की कृपा से हमने जीते जी शरीर रहते हुए मुक्ति को पाया है, उनका महान आदर्श और समर्पण आज भी निरंकारी जगत में प्रेरणा का स्त्रोत बना हुआ है। मुक्ति पर्व पर सभी महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करें साथ ही साथ उनके जीवन से प्रेरणा लें। वही वर्तमान सदुरु माता सुदीक्षा सविन्दर हरदेव जी महाराज के वचनों को मानते हुए, उन्हीं के मार्गदर्शन में कंधे से कंधा मिलाकर निरंकारी मिशन का सत्य संदेश जन-जन तक पहुंचाये, सबसे प्यार करें और रोशन मीनार बनें, ताकि अज्ञान का अंधकार कम होता चला जाये और ब्रह्मज्ञान का प्रकाश बढ़ता चला जाये। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने ब्रह्मलीन संतो को याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का संचालन भरत भाई तमन्ता, हनी बसन ओर मुकेश ? जी ने किया उन्होंने बताया कि मुक्ति पर्व पर विश्व की 2700 से अधिक ब्रांचों में एक साथ मनाया गया, जबकि मुख्य आयोजन दिल्ली में निरंकारी सदुरु माता सुदीक्षा सविन्दर हरदेव जी महाराज के छत्रछाया में सम्पन्न हुआ।

### मूंगफली घोटाले को लेकर उपवास

# परेश धानाणी का अहमदाबाद में ७२ घंटे के उपवास शुरू

## धानाणी का सरकार पर हमला : उपवास आंदोलन में सिद्धार्थ परमार, जगदीश ठाकोर सहित के नेता शामिल

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा विपक्षी पार्टी के नेता परेश धानाणी ने गुजरात में हुए मूंगफली घोटाले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग के साथ गुरुवार को अहमदाबाद शहर में साबरमती स्थित गांधी आश्रम में ७२ घंटे का उपवास शुरू किया है, जिसे लेकर मूंगफली घोटाले की राज नीति गरमा गई है।। धानाणी के साथ उपवास आंदोलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावडा, कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में सिद्धार्थ पटेल, शैलेष परमार, ज गदीश ठाकोर, पूजाभाई गामीत, शशीकांत पटेल, दिनेश शर्मा सहित के अग्रणी भी शामिल हुए । धानाणी ने गुरुवार को भी भाज पा सरकार पर मूंगफली घोटाले को लेकर निशाना साधा है और पूरे प्रकरण में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने के साथ किसानों को न्याय देने की मांग की है।

घोटाले में अपना उपवास आंदोलन शुरू करने से पहले विपक्षी पार्टी के नेता परेश धानाणी साबरमती स्थित गांधी आश्रम पहुंचकर बापू के हृदयकुंज में शीश झुकाकर प्रणाम किया। इसके बाद बाहर बैठकर उपवास की शुरूआत की । उपवास में विधायक सिद्धार्थ परमार सहित के नेता भी शामिल हुए । साबरमती आश्रम के पास ही धानाणी उपवास करने से अहमदाबाद मुख्य सेन्टर होने के कारण मूंगफली घोटाले की राजनीति गरमा गई थी। पेढला से शुरू किया गया धरना का सिलसिला अहमदाबाद तक पहुंच गया है । धानाणी इस मामले में विरोध दर्ज कराकर सरकार पर निशाना साधा गया है और एक के बाद एक हमला करके सरकार की परेशानी बढ़ा रही है तब सरकार भी अब यह पूरे मामले में बचाव करने की रणनीति की व्यूह रचना में लग गई है।

उल्लेखनीय है कि, जेतपुर के पास गोदाम में मूंगफली के ज त्थे में बड़े पैमाने पर मिट्टी की मिलावट की गई थी मूंगफली के जत्थे में धूल मिलावट के घोटाले में पुलिस ने बुधवार को जेतपुर के विशाल नाम के शख्स को गिरफ्तार किया गया। मूंगफली में धूल मिलावट में विशाल की ---भूमिका थी।

## राजू गेंडी के पुत्र पर फायरिंग करने वाले दो शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के सरदारनगर क्षेत्र में बुटलेगर राजू गेंडी के पुत्र रवि पर हुए फायरिंग के प्रकरण में शहर क्राइमब्रांच के अधिकारियों ने कुछ ही घंटों में फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइमब्रांच के अधिकारियों ने इस केस में शहर के नरोडा के पास दास्तान सर्कल के पास बुटलेगर मनीष उर्फ बीडी लदानी और अज्जू उर्फ चोर राधानी नाम के दो शख्स की एक देशी तमंचा और चार जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था।

**सूरत।** 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर अठवालाइन्स विस्तार में आई विद्यामंदिर सोसायटी संचालित कोलेज एवं विद्यालय के संयुक्त ध्वजवंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सिनियर शिक्षिका श्रीमती अंजनाबेन क्रिस्टीना के हाथों ध्वजारोहण किया गया।

**कांकरिया में स्वतंत्रता दिवस पर नाव में भी तिरंगा झंडा के साथ लोग बैठे थे।**

### अहमदाबाद में पायलट परियोजना की शुरूआत

# जमीन को एनए. करने का काम ऑनलाइन, अहमदाबाद में प्रारंभ

## परियोजना की सफलता-परिणामों को देखने के बाद जिला-तहसीलों में लागू करने के लिए सरकार का विचार

अहमदाबाद । पूरे राज्य में जमीन से संबंधित एनए. का कामकाज अब ऑनलाइन करने का सरकार आयोजन कर रही है । जमीन की एनए. का काम ऑनलाइन होने से काफी राहत मिलेगी लेकिन इसके साथ पारदर्शिकता भी बढ़ जाएगी । ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए पायलट परियोजना के तहत अहमदाबाद जिले को चुना गया है । इसी वजह से सबसे पहले अहमदाबाद में गुरुवार को यह कामकाज का प्रारंभ हुआ । अहमदाबाद के पायलट परियोज ना में सफलता मिलने के बाद राज्य के अन्य जिला -तहसीलों में इसे लागू करने की दिशा में सरकार आयोजन करेगी। अहमदाबाद में जमीनों की एनए. काम ऑनलाइन करने की यह परियोजना हाल के दौर में यह परियोजना सिर्फ ट्रायल रन रहेगा । इसके लिए पांच सदस्यों का एक विशेष स्क्रूटी की सेल खड़ा किया गया है । अर्जीकर्ताओं यह जो अर्जी आयेगी और इसमें जो रिकॉर्ड पेश किया गया होगा इसका यह सेल वेरिफिकेशन करेगा ऑनलाइन एनए. प्रक्रिया में कामकाज में तेजी आयेगी। सामान्य परिस्थितियों में अर्जीकर्ता ने अर्जी करने के बाद जरूरी सबूत पर्याप्त प्रमाण में रखा होगा तो ४५दिन में इसका समाधान किया जाएगा । जबकि कोई विवादित घटना में ज्यादा से ज्यादा ९० दिन का समय लगेगा और इसके लिए गांधीनगर और अहमदाबाद का डेटा बेज तैयार किया गया है । एक लाख से ज्यादा रिकॉर्ड का ऑनलाइन डेटा बेज तैयार किया गया है । ज्यादा कामकाज हाल में चालु है पारदर्शी प्रक्रिया के तहत अर्जीकर्ता को एनए. के लिए ऑनलाइन अर्जी करनी पड़ेगी । अर्जीकर्ता को एनए. के लिए अर्जी करनी होगी इसमें यह जमीन के ७-१२ और ८-अ के इसमें उत्तराधिकारी में जितने नाम हो यह सभी के हस्ताक्षर के साथ एफिडेविट के साथ सभी रिकॉर्ड पेश करना पड़ेगा। विदेश में रहते व्यक्ति की पावर ऑफ एटर्नी नहीं, पिछले पांच सदस्य की टीम द्वारा अज र्ी के साथ जुड़े हुए रिकॉर्ड चेक किया जाएगा इसका वेरिफिकेशन किया जाएगा । इसके बाद इसे ऑनलाइन एन्टर किया जाएगा । ऑनलाइन अर्जी की जांच सिर्फ तीन दिन में ही कमिटी को लेना पड़ेगा इसके बाद कलेक्टर द्वारा आवश्यकता के अनुसार ऑपिनियन मंगाये जायेंगे।

# बोलबाला हनुमान आश्रम में गांजा बेचते पिता-पुत्र गिरफ्तार

अहमदाबाद । गोता-ओगणज रोड पर स्थित बोलबाला हनुमान आश्रम में से सोला पुलिस ने दो किलो गांजा के साथ दो साधु सहित तीसरे शख्स की गिरफ्तारी करने पर पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई थी । सोला पुलिस ने गिरफ्तार किए शख्सों के पास से दो किलो गांजा, दो मोबाइल फोन सहित का मालसामान जब्त करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, सोला पुलिस स्टेशन के दो पुलिस कर्मचारी को जानकारी मिली थी कि गोता-ओगणज गांव में जाता बोलबाला हनुमानजी के आश्रम में दो साधु बेच रहे है जिसके आधार पर गत दिन शाम को डी स्टाफ पीएसआई गोस्वामी की टीम ने आश्रम में अचानक ही छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने महेन्द्रभाई नरसीभाई साधु, दशरथ महेन्द्रभाई साधु दोनों (निवासी-बोलबाला हनुमान आश्रम, गोता) और संजय त्रिवेदी (निवासी-पंडया पोल, महेमदावाद) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तीनों के पास से करीब दो किलो गांजा जब्त किया गया। आरोपी संजय त्रिवेदी यह दोनों पिता-पुत्र साधु को गांजा बेचने के लिए देते थे।

आस्था के धाम में किसी गैरकानूनी प्रवृत्ति नहीं होने का लोगों में मान्यता होने की वजह से इसका लाभ उठाकर साधु पिता-पुत्र गांजा की बिक्री करते थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार करके गांजा कितने समय से बेचते थे इस मामले में जांच शुरू कर दी है। हालांकि आश्रम में से गांजा का बड़ा जत्था जब्त किए जाने पर पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई थी । विशेष करके धार्मिक आस्था वाले व्यक्तियों में यह समाचार चर्चा का केन्द्र बन गया।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com